The Research Dialogue

An Online Quarterly Multi-Disciplinary
Peer-Reviewed / Refereed Research Journal
ISSN: 2583-438X
Volume-2, Issue-2, July-2023
www.theresearchdialogue.com

"चन्दौसी शहर में स्थित उच्च प्राथमिक स्तर के हिन्दी माध्यम एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के व्यक्तिगत मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन"

कु0 दीक्षा शर्मा
शोध छात्रा,
एन0के0बी0एम0जी0 पी0जी0
कॉलेज, चन्दौसी (सम्भल) उ0प्र0

डॉ0 भावना विष्ट
असिस्टेंट प्रोफेसर (बी0एड0 विभाग)
एन0के0बी0एम0जी0 पी0जी0
कॉलेज, चन्दौसी (सम्भल) उ0प्र0

सारांश :

प्रत्येक व्यक्ति कें जीवन में मूल्यों का विशिष्ट स्थान होता है। मूल्य मानव के व्यवहार को प्रभावित करतें हैं। इस अध्ययन का उद्देश्य चन्दौसी शहर में स्थित उच्च प्राथमिक स्तर के हिन्दी माध्यम एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के व्यक्तिगत मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन करना था। इस अध्ययन में चन्दौसी शहर के दो उच्च प्राथमिक स्तर के छात्र तथा छात्राओं का यादृच्छीकरण विधि द्वारा चयन किया गया है। प्रस्तुत शोध कार्य के लिए शोधार्थी द्वारा डॉ. मधुलिका वर्मा एवं विन्देश्वरी वक्सर पवार द्वारा निर्मित व्यक्तिगत मूल्य मापनी का चयन किया गया है। टी–टेस्ट का उपयोग करके आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। प्रस्तुत लघु शोध में सांख्यिकीय विवेचन एवं प्रदत्तों के विश्लेषण से पता चला कि उच्च प्राथमिक स्तर के हिन्दी माध्यम एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के व्यक्तिगत मूल्यों में सार्थक अन्तर है।

प्रस्तावना

मूल्य छात्रों को ज्ञान, कला, व्यवसाय और उद्योग में निपुणता प्रदान करके जहाँ एक ओर उन्हें आत्मनिर्भर और कुशल बनाते हैं। वहीं दूसरी ओर सामाजिक कर्त्तव्यों और दायित्वों को निभाने का आवाहन करते हुए समाज की भौतिक उन्नति में सहायक होते हैं। साथ ही मूल्य एक अमूर्त सम्प्रत्यय है। इसका सम्बन्ध मनुष्य के भावात्मक पक्ष से होता है जो कि उसके व्यवहार को नियन्त्रित एवं निर्देशित करता है। मूल्य छात्रों में सामाजिक एवं नैतिक मूल्यों का विकास करते है।

आलपोर्ट के अनुसार, ''मूल्य एक मानव विश्वास है जिसके आधार पर मनुष्य वरीयता प्रदान करते हुए कार्य करता है।''

समस्या कथन

''चन्दौसी शहर में स्थित उच्च प्राथमिक स्तर के हिन्दी माध्यम एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के व्यक्तिगत मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन''

अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व

मूल्यपरक शिक्षा का उद्देश्य छात्रों को ज्ञान, कला, व्यवसाय और उद्योग में निपुणता प्रदान करके जहाँ एक ओर उन्हें आत्मनिर्भर और कुशल बनाना है। वहीं दूसरी ओर सामाजिक कर्त्तव्यों और दायित्वों को निभाने का आवाहन करते हुए समाज की भौतिक उन्नति में सहायक होना है। साथ ही मूल्य एक अमूर्त सम्प्रत्यय है। इसका सम्बन्ध मनुष्य के भावात्मक पक्ष से होता है जो कि उसके व्यवहार को नियन्त्रित एवं निर्देशित करता है। छात्रों में सामाजिक एवं नैतिक मूल्यों का विकास करना शिक्षा के प्रमुख उद्देश्यों में से एक है। आज के भौतिकवादी युग में मूल्य शिक्षा चरित्र निर्माण के लिए परम आवश्यक है और इस पर जोर देने की बहुत ही आवश्यकता है।

अतः विद्यार्थियों को भौतिकवाद के चकाचौंध से मोह भंग करने उनमें मानवीयता का भाव उत्पन्न करने, दूसरों एवं राष्ट्रहित के प्रति गहरी सोच उत्पन्न करने विद्यार्थियों में सामाजिक नैतिक सौन्दर्यात्मक तथा आध्यात्मिक पक्ष के विकास हेतु एवं सामाजिक सन्तुलन बनाये रखने के लिए मूल्य शिक्षा की आवश्यकता है।

अध्ययन का उद्देश्य

किसी भी अनुसंधान के पूर्व निश्चित उद्देश्य होते है। अनुसंधान की सफलता का मूल चरण है उद्देश्य की स्पष्टता।

1. हिन्दी माध्यम एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के व्यक्तिगत मूल्यों की तुलना करना।

अध्ययन की परिकल्पना

अनुसंधान में परिकल्पना की रचना अत्यन्त महत्वपूर्ण होती है। परिकल्पना के अभाव में अनुसंधानकर्ता को समस्या से संबंधित आवश्यक चरों का स्पष्ट व विशिष्ट ज्ञान प्राप्त नहीं हो पाता है। परिकल्पना के द्वारा उपयुक्त वैद्य व शब्द निष्कर्ष के अनुमान से सुविधा व सरलता होती है।

1. हिन्दी माध्यम एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के मूल्यों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

अध्ययन का परिसीमांकन

अनुसंधान एक जिज्ञासापूर्ण प्रक्रिया है जिसमें तथ्यों का क्रमबद्ध तार्किक दृष्टि से विवेचन किया जाता है। इस कार्य में समय, श्रम और संसाधनों से सम्बन्धित सभी पक्षों पर विचार किया जाता है।

इस लघु शोध के सन्दर्भ में चन्दौसी शहर में स्थित हिन्दी माध्यम एवं अंग्रेजी माध्यम स्कूलों को लिया गया है। शहर में कई हिन्दी माध्यम एवं कई अंग्रेजी माध्यम स्कूल हैं किन्तु समय अभाव के कारण चार हिन्दी माध्यम एवं चार अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों तक ही सीमित रखा गया है।

अध्ययन विधि

प्रस्तुत लघु शोध में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया है।

अध्ययन की जनसंख्या एवं न्यादर्श

इकाईयों के समस्त समूह को जिसके लिए चर का मान निकालना अभीष्ट है जनसंख्या कहते हैं। प्रस्तुत अध्ययन में चन्दौसी शहर में स्थित सभी सरस्वती विद्या मन्दिर एवं कान्वेंट स्कूलों के विद्यार्थी जनसंख्या के अन्तर्गत सम्मिलित है।

प्रस्तुत अध्याय में यादृच्छीकरण विधि द्वारा न्यार्दश का चयन किया गया है।

उपकरण

अध्ययन के उद्देश्य एवं मापनी की विशेषताओं को ध्यान में रखते हुए उपकरण के रूप में डॉ. मधुलिका वर्मा एवं विन्देश्वरी वक्सर पवार द्वारा निर्मित व्यक्तिगत मूल्य मापनी का चयन किया गया है। इसमें कुल 50 प्रश्न हैं।

तालिका – 1

हिन्दी माध्यम एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के व्यक्तिगत मूल्यों की सत्यापन सारणी–

क्र.स.	विद्यालय	विद्यार्थियों की संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी–मान
1.	हिन्दी माध्यम	80	132.125	9.96	6.16
2.	अंग्रेजी माध्यम	80	139.5	5.36	

तालिका–1 से स्पष्ट होता है कि मूल्यों के सन्दर्भ में हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों का मध्यमान 132.125 एवं मानक विचलन 9.96 तथा अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों का मध्यमान 139. 5 व मानक विचलन 5.36 है।

't' का गणनात्मक मान 6.16 तथा 't' का 0.05 स्तर पर सारणीय मान 1.98 है तथा 0. 01 स्तर पर सारणीय मान 2.16 है। अतः टी प्राप्त मान 6.16 तालिका मान के दोनों सार्थकता स्तर से अधिक है। शून्य परिकल्पना निरस्त होती है। इसलिए मध्यमानों का अन्तर अधिक सार्थक है। अतः हिन्दी माध्यम एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के व्यक्तिगत मूल्यों में सार्थक अन्तर है।

तालिका – 2

हिन्दी माध्यम एवं अंग्रेजी माध्यम के छात्र–छात्राओं के व्यक्तिगत मूल्यों की सत्यापन सारणी–

क्र. स.	छात्र–छात्रायें	विद्यार्थियों की संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी–मान
1.	अंग्रेजी एवं हिन्दी माध्यम की छात्राएं	80	136.125	8.053	0.188
2.	अंग्रेजी एवं हिन्दी माध्यम के छात्र	80	135.375	34.750	

तालिका–2 से स्पष्ट होता है कि व्यक्तिगत मूल्यों के सन्दर्भ में छात्राओं का मध्यमान 136.125 एवं मानक विचलन 8.053 तथा छात्रों का मध्यमान 135.375 एवं मानक विचलन 34. 750 है।

टी (t) का प्राप्त मान 0.188 तथा 't' का 0.05 सार्थकता स्तर पर मान 1.98 है तथा सार्थकता स्तर 0.01 पर मान 2.61 है। अतः 't' का प्राप्त मान 0.188 स्वतन्त्रता अंश 158 पर 't' तालिका मानों से कम है। इसलिए मध्यमानों का अन्तर सार्थक नहीं है। प्राप्त अन्तर न्यादर्श की त्रुटि के कारण है। छात्रों एवं छात्राओं की निष्पत्ति समान है। इनमें सार्थक अन्तर नहीं है। शून्य परिकल्पना निरस्त नहीं होती है।

तालिका – 3

हिन्दी माध्यम एवं अंग्रेजी माध्यम के छात्रों के व्यक्तिगत मूल्यों की सत्यापन सारणी –

क्र. स.	विद्यालय	छात्रों की संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी–मान
1.	अंग्रेजी माध्यम छात्र	40	138.625	6.165	2.964
2.	हिन्दी माध्यम छात्र	40	133.375	9.352	

तालिका–3 से स्पष्ट होता है कि व्यक्तिगत मूल्यों के सन्दर्भ में अंग्रेजी माध्यम के छात्रों का मध्यमान 138.625 एवं मानक विचलन 6.165 है तथा हिन्दी माध्यम के छात्रों का मध्यमान 133.375 एवं मानक विचलन 9.352 है।

टी (t) का प्राप्त मान 2.964 तालिका के दोनों सार्थकता स्तर (0.05 पर 1.66 एवं 0.01 पर 2.64) से अधिक है। शून्य परिकल्पना निरस्त होती है। इसलिए मध्यमानों का अन्तर सार्थक है। अन्तर न्यादर्श की त्रुटि के कारण नहीं है। अंग्रेजी माध्यम के छात्रों की निष्पत्ति हिन्दी माध्यम के छात्रों से अधिक है। समूहों का अन्तर वास्तविक है।

तालिका – 4

हिन्दी माध्यम एवं अंग्रेजी माध्यम के छात्राओं के व्यक्तिगत मूल्यों की सत्यापन सारणी–

क्र.स.	विद्यालय	छात्राओं की संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी–मान
1.	अंग्रेजी माध्यम की छात्रायें	40	140.625	4.240	6.452
2.	हिन्दी माध्यम की छात्रायें	40	131.875	7.460	

तालिका–4 से स्पष्ट होता है कि मूल्यों के सन्दर्भ में अंग्रेजी माध्यम की छात्राओं का मध्यमान 140.625 एवं मानक विचलन 4.240 है तथा हिन्दी माध्यम की छात्राओं का मध्यमान 131.875 एवं मानक विचलन 7.460 है।

टी (t) का प्राप्त मान 6.452 है जो तालिका मान के सार्थकता स्तर 0.05 पर 1.66 एवं 0.01 पर 2.64 से अधिक है। शून्य परिल्पना निरस्त होती है इसलिए मध्यमानों का अन्तर अधिक सार्थक है। समूह 'अ' अंग्रेजी माध्यम की छात्राओं की निष्पत्ति समूह 'ख' हिन्दी माध्यम की छात्राओं से अधिक है।

निष्कर्ष विवेचन

प्रस्तुत लघु शोध में सांख्यिकीय विवेचन एवं प्रदत्तों के विश्लेषण से निम्न निष्कर्ष प्राप्त हुए–

1. हिन्दी माध्यम विद्यालयों के छात्र–छात्राएं एवं अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों के छात्र–छात्राओं के व्यक्तिगत मूल्यों में सार्थक अन्तर पाया गया।
2. हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों के छात्रों तथा हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों की छात्राओं के व्यक्तिगत मूल्यों में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

3. अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों के छात्रों एवं हिन्दी माध्यम विद्यालयों के छात्रों के व्यक्तिगत मूल्यों में अन्तर वास्तविक पाया गया।
4. अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों की छात्राओं एवं हिन्दी माध्यम विद्यालयों के छात्राओं के व्यक्तिगत मूल्यों में अधिक सार्थक अन्तर पाया गया।

सुझाव

प्रस्तुत अध्ययन समय, श्रम एवं साधनों की सीमितता के कारण चन्दौसी शहर के छात्रों तक ही सीमित किया गया है। इस अध्ययन से सम्बन्धित भावी शोध की निम्नलिखित सम्भावनायें हो सकती हैं–

1. प्रस्तुत लघु शोध केवल चन्दौसी शहर के उच्च प्राथिमक स्तर के विद्यार्थियों पर किया गया है। व्यापक क्षेत्र पर भी यह अध्ययन किया जा सकता है।
2. प्रस्तुत अध्ययन केवल उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों पर किया गया है। इसे शिक्षा के अन्य विभिन्न स्तरों पर किया जा सकता है।
3. स्नातक स्तर पर एवं माध्यमिक स्तर पर छात्रों का अध्ययन किया जा सकता है।
4. कला, विज्ञान और वाणिज्य वर्ग के विद्यार्थियों का अध्ययन भी किया जा सकता है।
5. शहरी एवं ग्राामीण स्तर पर भी तुलनात्मक अध्ययन विभिन्न स्तर के विद्यार्थियों पर किया जा सकता है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

साहनी, मधु (2009), माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के मूल्यों का अध्ययन, परिप्रेक्ष्य, वर्ष 16, अंक 2, अगस्त।

गैरेट, हेनरी ई. एवं वुडवर्थ आर. एस–(2007), शिक्षा एवं मनोविज्ञान में सांख्यिकी, नई दिल्ली : कल्याणी पब्लिशर्स पृ.स. 317।

कुलश्रेष्ठ, एस. पी. (2009) : मूल्य शिक्षा– क्या क्यों और कैसे अग्रवाल पब्लिकेशन्स, आगरा, पृष्ठ क्रमांक–4।

माथुर, डॉ. एस.एस. (2007) : शिक्षा मनोविज्ञान, आगरा : विनोद पुस्तक मन्दिर ; पृ.स. 93–95।

मिश्रा, डॉ. महेन्द्र कुमाार (2009). शैक्षिक मनोविज्ञान, नई दिल्लीः अर्जुन पब्लिशिंग हाउस, प्रथम संस्करण, पृ.स. 226।

शर्मा, वीरेन्द्र प्रकाश (2004). रिसर्च मेथडॉलाजी, तृतीय संस्करण, जबलपुर : पंचशील प्रकाशन, पृ.स. 166।

राय, पारसनाथ (2006). अनुसंधान परिचय, द्वादशम संस्करण, आगरा : लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, पृ.स. 115–116।

सिंह, सुनील कुमार (2010) : उत्कृट जीवन निर्माण में मानवीय मूल्यों की भूमिका. मूल्य विमर्श, वर्ष–5, अंक–10 जुलाई, मालवीय मूल्यों अनुशीलन केन्द्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।

सिंह, यशपाल (2016) : एन.सी.सी. एवं एन.एस.एस. में प्रतिभागी छात्रों के मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन इंडियन एजूकेशनल रिव्यू 2001, वोल्यूम 37(1), 73–89।

THE RESEARCH DIALOGUE

An Online Quarterly Multi-Disciplinary
Peer-Reviewed / Refereed Research Journal
ISSN: 2583-438X
Volume-2, Issue-2, July-2023
www.theresearchdialogue.com
Certificate Number July-2023/12

Certificate Of Publication

This Certificate is proudly presented to

कु0 दीक्षा शर्मा एवं डॉ0 भावना विष्ट

for publication of research paper title

"चन्दौसी शहर में स्थित उच्च प्राथमिक स्तर के हिन्दी माध्यम एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के व्यक्तिगत मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन"

Published in 'The Research Dialogue' Peer-Reviewed / Refereed Research Journal and

E-ISSN: 2583-438X, Volume-02, Issue-02, Month July, Year-2023.

Dr.Neeraj Yadav
Executive Chief Editor

Dr.Lohans Kumar Kalyani
Editor-in-chief

Note: This E-Certificate is valid with published paper and the paper must be available online at www.theresearchdialogue.com